पाठ 2

सच्चा बालक

3KB1QN

यह पाठ गोपालकृष्ण गोखले के बाल – जीवन की एक घटना पर आधारित है, जिसमें उन्होनें अपनी सच्चाई का परिचय दिया । आगे चलकर उन्होने देश को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आओ, हम माननीय गोपाल कृष्ण गोखले के बाल–जीवन की यह घटना पढ़ें और इससे शिक्षा ग्रहण करें।

एक दिन गुरु जी ने अपनी कक्षा के बच्चों को गणित का एक प्रश्न दिया। बच्चे प्रश्न को उस समय हल नहीं कर पाए। गुरु जी ने कहा, '' अच्छा इसे घर से करके लाना।'' इसके बाद छुट्टी हो गई और सब बच्चे अपने–अपने घर चले गए।

अगले दिन जब बच्चे शाला में पहुँचे तो सबने अपना–अपना गणित का हल किया हुआ प्रश्न गुरु जी को दिखाया। गुरु जी ने प्रत्येक बच्चे का प्रश्न जाँचा, परंतु किसी का भी हल ठीक नहीं निकला। कुछ बच्चों ने तो प्रश्न को हल करने का प्रयत्न ही नहीं किया था।

जब सब बच्चे अपनी–अपनी कॉपी दिखा चुके तब गोपाल ने अपनी कॉपी दिखाई। प्रश्न का उत्तर ठीक था। गुरु जी प्रसन्न हो गए और गोपाल की प्रशंसा करने लगे। अपनी प्रशंसा सुनकर सभी खुश होते हैं, परंतु गोपाल के चेहरे पर उदासी छा गई। गुरु जी ज्यों–ज्यों उसकी प्रशंसा करते गए त्यों–त्यों उदासी बढ़ती गई। अपनी अधिक प्रशंसा सुनकर वह बालक फूट–फूटकर रोने लगा।

गोपाल को रोता देखकर गुरु जी और सभी बच्चे आश्चर्यचकित रह गए। तब गुरु जी ने उसकी पीठ थपथपाते हुए पूछा, '' बेटा! तुम तो बहुत योग्य बच्चे हो, भला रो क्यों रहे हो?''

गोपाल सिसकियाँ भरते हुए कहने लगा, '' गुरु जी! आप मेरी प्रशंसा कर रहे हैं, किंतु यह प्रश्न मैंने अपने आप हल नहीं किया। यह तो मैंने अपने बड़े भाई से पूछकर हल किया था। मुझे अपनी झूठी प्रशंसा सुनकर दुख हो रहा है।''

गुरु जी ने गोपाल की बात सुनी तो उनका हृदय गद्‌गद् हो गया। उन्होंने उसकी सच्चाई की प्रशंसा करते हुए कहा, ''बेटा, एक दिन तुम अवश्य अपना व अपने देश का नाम उज्ज्वल करोगे।"

बड़ा होकर वह बालक गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से प्रसिद्ध हुआ। देश को स्वतंत्र कराने में गोखले जी का बहुत बड़ा योगदान रहा।

गोपाल कृष्ण गोखले

शब्दार्थ

योगदान	=	सहयोग
सपूत	=	अच्छा पुत्र
प्रसिद्ध	=	मशहूर
स्वतंत्र	=	आजाद
उज्ज्वल	=	स्वच्छ, साफ, चमकता हुआ

नीचे लिखे शब्दों के अर्थ कोष्ठक में से छाँटकर लिखो।

प्रयत्न = ——————————

प्रत्येक = ——————————

प्रशंसा = ——————————

(तारीफ, कोशिश, हर एक)

प्रश्न और अभ्यास

प्र.1. गुरु जी द्वारा अपनी प्रशंसा सुनकर गोपाल दुखी क्यों हुआ ?

प्र.2. गोपाल को सच्चा बालक क्यों कहा गया ?

प्र.3. गोखले जी क्यों प्रसिद्ध हुए ?

प्र.4. गोपाल की जगह तुम होते तो क्या करते ?

प्र.5. कोई तुम्हारी झूठी प्रशंसा करे तो तुम उससे क्या कहोगे ?

प्र.6. अपनी प्रशंसा सुनकर सभी बच्चे प्रसन्न होते हैं। इस संबंध में तुम्हारा क्या कहना है ?

प्र.7. इन वाक्यों को पाठ के अनुसार क्रम से लिखो।

क. गोपाल ने अपनी कॉपी दिखाई।

ख. गुरु जी ने प्रत्येक बच्चे की कापी जाँची।

ग. बड़ा होकर यह बालक गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

घ. गुरु जी ने उसकी सच्चाई की प्रशंसा की।

ङ. गुरु जी ने गणित का एक प्रश्न हल करने को दिया।

प्र.8. हर खाने में से एक–एक शब्द/शब्द–समूह लेकर वाक्य बनाओ।

सब अपनी–अपनी हल करने का दिखाई।

कुछ बच्चों ने	स्वतंत्र कराने में	अपने–अपने घर	महत्वपूर्ण हाथ था।
देश को	प्रश्न	कॉपी	प्रयत्न ही नहीं किया।
सब बच्चों ने	बच्चे	गोखले जी का	चले गए।

प्र.9. सही जोड़ी बनाओ।

अ	आ
गुरु जी	फूट–फूटकर रोने लगा।
देश	का सवाल किसी ने हल नहीं किया।
गोपाल	स्वतंत्र हो गया।
गणित	प्रसन्न हो गए।

प्र.1. पढ़ो, समझो और छाँटकर अलग–अलग तालिका में लिखो।

क्रम, प्रार्थना, कार्य, पूर्व, प्रशंसा, भ्रम, दर्शक, कर्म, नम्र, प्रकाश।

रेफ वाले शब्द	रकार वाले शब्द
जैसे – कर्म	जैसे– प्रकाश

प्र.2. इन शब्दों में से सही शब्द चुनकर लिखो।

प्रशंसा/प्रशंशा, गुरु जी/गुरू जी, प्रश्न/प्रशन, कॉपी/कौपी, अधिक/अधीक

प्र.3. 'पुनः' इस शब्द में अः (:) लगा हुआ है। दो ऐसे शब्द लिखो जिनमें : का प्रयोग होता है।

प्र.4. तुमने बारहखड़ी क,का,कि,की,कु,कू,के,कै,को,कौ,कं पढ़ी है। इन शब्दों को इसी क्रम में लिखो।

मीत, मेरा, मुझे, मौका, मोर, मंद, मैना, मत, मूठ, मिलना, मान।

प्र.5. इनका प्रयोग करते हुए खाली स्थान भरो और शब्द पूरे करो।

न, ना, नि, नी, नु, नू, ने, नै, नो, नौ, नं।

अ –क, – तिक, – म, – शानी, सु–, –का, – द, सु – गे, – कसान, – तन।

समझो

- नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो–

क. गुरु जी ने प्रत्येक बच्चे का उत्तर जाँचा।

ख. गुरु जी गोपाल की प्रशंसा करने लगे।

ग. गोपाल कृष्ण गोखले ने देश की सेवा की।

'क' वाक्य में 'गुरु जी' और 'बच्चे' शब्दों का प्रयोग हुआ है। गुरु जी शिक्षक के लिए कहा गया है। 'ख' वाक्य में 'गोपाल' और 'प्रशंसा' शब्दों का प्रयोग हुआ है। 'गोपाल' व्यक्ति का नाम है और 'प्रशंसा' भाव का। वाक्य 'ग' में 'देश' शब्द का प्रयोग हुआ है। यह स्थान का नाम है। वस्तु, व्यक्ति, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

प्र.6. क. दो व्यक्तियों के नाम लिखो, जैसे– राम, गीता आदि ।

ख. दो वस्तुओं के नाम लिखो, जैसे–कुर्सी मेज आदि ।

ग. दो स्थानों के नाम लिखो, जैसे – रायपुर,राजिम आदि ।

घ. दो भावों के नाम लिखो, जैसे – अच्छाई, भलाई आदि ।

प्र.7 इस पाठ में ज्यों–ज्यों, सों–सों, अपनी–अपनी जैसे शब्दों की आवृति वाले शब्दों का प्रयोग हुआ है। अब निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग

करो–

अपना–अपना, जल्दी–जल्दी, सुबह–सुबह शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग करो।

रचना

- अपने आसपास की किसी ऐसी घटना के बारे में लिखो जो तुम्हें अच्छी लगी हो या अच्छी ना लगी हो।

योग्यता विस्तार

- अन्य महापुरुषों के बचपन की घटनाओं की जानकारी लो और कक्षा में सुनाओ।

3KJHSB

शिक्षण–संकेत

- पाठ का आदर्श वाचन करें और विद्यार्थियों से अनुकरण वाचन कराएँ।
- पठन–कौशल के विकास के लिए अतिरिक्त पाठ्य–सामग्री दें।
- कठिन शब्दों के अर्थ समझाएँ और उनका वाक्यों में प्रयोग कराएँ।
- महापुरुषों के बचपन की ऐसी ही घटनाएँ खोजने और कक्षा में सुनाने को कहें।